राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर
(पाठ्यक्रम परिचर्या, सामग्री निर्माण एवं मूल्यांकन प्रभाग)

फोन—0294—2415171, 2418319 *ई—मेल* director.siert @ rajasthan. gov.in & hod.dsm.siert@rajasthan. gov.in

क्रमांकः राराशैअप्रप—उदय / प्र—1 / फा—1315 / 19 दिनांक 20.09.2019

मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं
पदेन जिला परियोजना समन्वयक,
समग्र शिक्षा अभियान समस्त जिले।

विषयः—विज्ञान मेला 2019—20 आयोजन दिनांक एवं दिशा निर्देश के संबंध में।

उपर्युक्त विषयान्तर्गत लेख है कि विज्ञान मेला 2019—20 का आयोजन विद्यालय एवं जिला स्तर पर संलग्न निर्देशों के अनुसार करवाया जाना है।

विद्यालय स्तर पर आयोजन तिथि—सितम्बर माह के अन्तिम सप्ताह तक (एक दिन)
जिला स्तर पर आयोजन तिथि—09 से 11 अक्टूबर 2019 (3 दिन)
राज्य स्तर पर आयोजन तिथि—27 से 30 नवम्बर 2019 (4 दिन)

इस कार्यक्रम में निम्नांकित प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएगी—

1. प्रादर्श / मॉडल प्रतियोगिता (जूनियर वर्ग कक्षा 6 से 8 तक एवं सीनियर वर्ग कक्षा 09 से 12 तक)
2. सेमिनारः—1. शिक्षकों हेतु 2. विद्यार्थियों हेतु (कक्षा 9 से 12 तक)
3. क्विज प्रतियोगिता (कक्षा 6 से 8 तक)

संलग्न निर्देशों के अनुरूप आयोजन सम्पन्न करावें। RSCERT., उदयपुर को जिला स्तर आयोजक विद्यालय का नाम, ईमेल आईडी, आईएफसी कोड एवं विद्यालय खाता नम्बर परिषद् को दिनांक 28.09.2019 तक अनिवार्यतः भिजवाएँ।

संलग्नः—

1. विज्ञान मेला 2019—20 के निर्देश
2. जिला स्तरीय आयोजक राजकीय विद्यालय की सूचना प्रपत्र
3. प्रतिवेदन प्रारूप
4. प्रपत्र स

(अंजली राजोरिया)
आई.ए.एस.
निदेशक, राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान
एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर

क्रमांकः राराशैअप्रप—उदय / प्र—1 / फा—1315 / 19 दिनांक 20.09.2019

प्रतिलिपिः— सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु

1. आयुक्त, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद, जयपुर।
2. राज्य परियोजना निदेशक, स्कूल शिक्षा परिषद्, जयपुर।
3. निदेशक, माध्यमिक / प्रार. शिक्षा, राजस्थान, बीकानेर।
4. संयुक्त निदेशक, (स्कूल शिक्षा), समस्त संभाग
5. जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्य. / प्रार. शिक्षा.....

निदेशक
राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं
प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर

Rajteachers.in

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर
(पाठ्यक्रम परिचर्या, सामग्री निर्माण एवं मूल्यांकन प्रभाग)

विज्ञान मेला 2019–20

निर्देश

प्रस्तावना

सर्वप्रथम सन् 1968 में राज्य विज्ञान शिक्षण संस्थान, उदयपुर द्वारा राज्य स्तरीय मेले का आयोजन प्रारम्भ किया गया। इसके पश्चात् प्रथम राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी 1971 में एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली में आयोजित की गई। एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली द्वारा 1972 से प्रतिवर्ष राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी एवं राज्य स्तर पर "विज्ञान मेलों" का आयोजन प्रारम्भ किया गया। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री श्री जवाहर लाल नेहरू की जन्म शताब्दी समारोह की शुरूआत के वर्ष 1988 से इस राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी का नाम 'बच्चों के लिए जवाहर लाल नेहरू राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी' कर दिया गया।

राजस्थान में 1968 से लगातार 51वॉ राज्य स्तरीय विज्ञान मेलों का आयोजन किया जा चुका है। सत्र 2017–18 से राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत विज्ञान मेले का आयोजन समग्र शिक्षा एवं एससीईआरटी उदयपुर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया जा रहा है।

विज्ञान मेले के प्रमुख उद्देश्य

- युवा पीढ़ी में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए रुचि जागृत कर उनमें वैज्ञानिक प्रवृत्ति उत्पन्न करना।
- विद्यार्थियों की अपनी स्वाभाविक जिज्ञासा एवं रचनात्मकता के लिए एक मंच उपलब्ध कराना, जहाँ वे अपनी ज्ञान पिपासा हेतु खोजबीन कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें।
- विद्यार्थियों को अपने आस–पास हो रहे क्रियाकलापों में विज्ञान की उपस्थिति का अनुभव कराना और ज्ञान कराना कि हम भौतिक एवं सामाजिक पर्यावरण से अधिगम प्रक्रिया को जोड़कर ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं तथा अनेक समस्याओं का समाधान भी कर सकते हैं।
- विद्यार्थियों में अन्वेषण की आदत व सृजनात्मक सोच को प्रोत्साहित करना और प्रादर्शों/मॉडलों अथवा सरल उपकरणों को स्वयं तैयार करने को प्रोत्साहित कर उनके मनश्चालक (psychomotor) और हस्तपरक कौशलों को प्रोन्नत करना।
- प्रतिभागियों में बौद्धिक ईमानदारी, दल–भावना और सौंदर्यपरकता उत्पन्न करना।
- समाज के उपयोग हेतु अच्छी गुणवत्ता एवं पर्यावरण अनुकूल सामग्री के उत्पादन हेतु विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की भूमिका पर जोर देना। विद्यार्थियों को भविष्य के प्रति दूरदर्शी बनाना तथा उन्हें संवेदनशील एवं जिम्मेदार नागरिक बनने हेतु प्रोत्साहित करना।
- कृषि, उर्वरकों, खाद्य–प्रसंस्करण, जैव तकनीकी, हरित ऊर्जा, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, खगोल विज्ञान, क्रीड़ा तथा खेलकूद एवं जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना करने इत्यादि के क्षेत्रों में नए उपायों को तलाशने में विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी की भूमिका की सराहना करना।
- दैनिक जीवन में आने वाली समस्याओं की सजीव कल्पना करने एवं उन्हें हल करने हेतु गणित को प्रयोग में लाना इत्यादि।

Rajteachers.in

मेले की विस्तृत जानकारी

- विज्ञान सम्बंधी प्रादर्शों के उपविषय एवं सेमिनार के विषय प्रतिवर्ष एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली द्वारा निर्धारित किए जाते हैं।
- राष्ट्रीय स्तर पर केवल विज्ञान प्रदर्शनी का ही आयोजन होता है। इसके लिए प्रादर्शों का चयन राज्य स्तरीय विज्ञान मेले के श्रेष्ठ प्रादर्शों के आलेखों के आधार पर एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली द्वारा किया जाता है।
- राज्य में विज्ञान मेला इस वर्ष तीन चरण में आयोजित हैं। सर्वप्रथम विद्यालय स्तर, तत्पश्चात् जिला स्तर तथा अंत में राज्य स्तर पर। राज्य स्तरीय विज्ञान मेला में जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले संभागी भाग लेते हैं।

सामान्य निर्देश

विभिन्न स्तरों पर विज्ञान मेले के सफल आयोजन हेतु आपका ध्यान निम्नांकित बिन्दुओं की ओर आकर्षित किया जाता है–

1. यह मेला निम्नलिखित स्तरों पर आयोजित किया जाएगा।

क्र. सं.	मेले का स्तर	अवधि	आयोजन दिनांक	उत्तरदायी अधिकारी
1	विद्यालय स्तर	1 दिन	सितम्बर 2019 के अंतिम सप्ताह	प्रधानाचार्य / प्रधानाध्यापक
2	जिला स्तर	3 दिन	दिनांक 9 से 11 अक्टुबर 2019	मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी
4	राज्य स्तर	4 दिन	दिनांक 27 से 30 नवम्बर 2019 (संभावित तिथि)	निदेशक, रा.रा.शै.अ.प्र.प., उदयपुर

2. इसमें सरकारी, पब्लिक और प्राइवेट, कैथोलिक, मिशन, सैन्य–बल के विद्यालय ;थल सेना, वायु सेना, नौ सेना, सैनिक, सीमा सुरक्षा बल, भारत–तिब्बत सीमा पुलिस, असम राइफल्स, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, पुलिस आदि डी.ए.वी. प्रबंधन, महर्षि विद्या मंदिर, सरस्वती विद्या मंदिर, नवयुग, नगरपालिका, भारतीय विद्या भवन, आदि में पढ़ रहे बच्चे भाग लेने के पात्र हैं। इसमें केन्द्रीय विद्यालय संगठन, नवोदय विद्यालय समिति, परमाणु ऊर्जा आयोग एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से सम्बद्ध विद्यालय तथा क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान के बहुउद्देशीय प्रदर्शन विद्यालयों के विद्यार्थी भाग नहीं ले सकेंगे क्योंकि इनके लिए अलग से विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित होती है।
3. जिला / राज्य स्तरीय विज्ञान मेले का आयोजन NCERT/RSCERT के दिशानिर्देशों के अनुसार किया जाएगा।
4. **एक संभागी किसी एक ही प्रतियोगिता में भाग ले सकेगा।**
5. प्रतियोगिताओं में प्रस्तुति का माध्यम हिन्दी होगा।
6. विद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले संभागी जिला स्तर पर भाग लेंगे।
7. मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं संस्था प्रधान यह सुनिश्चित करें कि जिले के समस्त **विद्यालयों में विज्ञान मेला** अनिवार्यतः आयोजित किया जाए तथा **विद्यालय स्तर** पर प्रथम रहे संभागी जिला स्तर पर अनिवार्यतः भाग लें।
8. जिला शिक्षा अधिकारी (मु) माध्यमिक एवं मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ब्लॉक से विज्ञान संकाय के समस्त विद्यालय एवं अन्य विद्यालयों में से न्यूनतम 05 उच्च माध्यमिक / माध्यमिक विद्यालयों / उच्च प्राथमिक विद्यालय को जिला स्तरीय विज्ञान मेले में भाग लेने के लिए पाबंद करे।

Rajteachers.in

9. जिला एवं राज्य स्तरीय विज्ञान मेले के आयोजक/संयोजक राजकीय विद्यालय ही रहेंगे।

10. जिला स्तरीय विज्ञान मेला हेतु पंजीयन शुल्क निम्न प्रकार है।

माध्यमिक विद्यालय– 150रु. उच्च माध्यमिक विद्यालय– 200रु.

11. पंजीयन शुल्क की उक्त राशि जिला स्तरीय विज्ञान मेले के आयोजन के समय आयोजक विद्यालय को जमा कराई जानी है। आयोजक विद्यालय प्राप्त पंजीयन शुल्क को विद्यालय कोष में जमा कर लेखा संधारित करें तथा शुल्क जमा कराने वाले 'संभागी' **विद्यालय**"को रसीद अनिवार्यतः दें।

12. पंजीयन शुल्क की राशि का उपयोग मेला आयोजन एवं प्रतिभागियों के प्रोत्साहन हेतु मेला आयोजक विद्यालय द्वारा किया जाएगा।

13. प्रमाण पत्र सभी प्रतिभागियों को दिया जाएगा।

14. यह विज्ञान मेला, शिक्षा विभाग का महत्त्वपूर्ण आयोजन है, इसमें अधिकाधिक सहभागिता से शिक्षा विभाग की विज्ञान लोकप्रियकरण की दिशा में सफलता परिलक्षित होगी। अतः मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, अपने जिले के जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय), माध्यमिक व प्रारम्भिक, सभी मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी एवं संस्था प्रधानों को निर्देशित करें कि उच्च प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय जिला स्तरीय विज्ञान मेला में अनिवार्यतः भाग लें तथा पंजीयन शुल्क जमा कराएँ।

15. जिला स्तरीय विज्ञान मेले में **भाग नहीं लेने वाले** विद्यालयों के संस्था प्रधानों के विरूद्ध मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी अपेक्षित कार्यवाही सुनिश्चित करें तथा ऐसे विद्यालयों की सूची **निदेशालय,** माध्यमिक **शिक्षा**/प्रारम्भिक **शिक्षा**, राज. बीकानेर एवं **परिषद्** को प्रेषित करें।

16. जिला स्तरीय विज्ञान मेले में प्रत्येक प्रतियोगिता एवं उपविषय प्रादर्श में प्रथम स्थान प्राप्त एक ही प्रतियोगी **राज्य स्तरीय विज्ञान मेले** में भाग ले सकेंगे।

17. प्रत्येक **विद्यालय स्तरीय** विज्ञान मेला का प्रतिवेदन **जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक** को अनिवार्यतः भेजा जाए। **जिला स्तरीय** विज्ञान मेला का प्रतिवेदन मेला समाप्ति के 7 दिवस में **मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी** से प्रतिहस्ताक्षर करा परिषद् को भिजवाना सुनिश्चित करे।

18. जिला **स्तरीय** विज्ञान मेला के प्रतिवेदन के साथ मेले में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले संभागियों की सूची निम्नांकित प्रारूप में पूर्ति कर भेजें–

जूनियर वर्ग/सीनियर वर्ग								
क्र. सं.	नाम प्रतियोगिता	प्रथम स्थान प्राप्त छात्र/ छात्रा का नाम	पिता का नाम	लिंग	कक्षा	विद्यालय	मार्गदर्शक शिक्षक का नाम	प्रादर्श का शीर्षक

19. कृपया यह सुनिश्चित करें कि परिषद द्वारा भेजे जा रहे **समस्त निर्देश तथा प्रतियोगिता संबंधी जानकारी प्रत्येक सरकारी एवं निजी विद्यालय में अनिवार्य रूप से पहुँच जाए** ताकि इन प्रतियोगिताओं में गुणवत्ता दिखाई दे, इसकी सूचना परिषद् को अवश्य भिजाएँ।

20. सभी प्रतियोगिताओं हेतु विद्यालयों को निर्देशित करें कि प्रतियोगिता दिनांक से एक दिन पूर्व मेला स्थल पर उपस्थिति दें। प्रतियोगिता समाप्त होते ही उसी दिन उनका परिणाम घोषित कर दिया जाए। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त संभागी ही अंतिम दिन तक रुकें। अन्य सभी संभागियों व प्रभारी शिक्षकों को प्रमाण पत्र देकर कार्यमुक्त किया जाए।

Rajteachers.in

21. विज्ञान मेले में मूल्यांकन निर्णय व्यवस्था निष्पक्ष, पारदर्शी हो, यह सुनिश्चित किया जाए। मूल्यांकन में ध्यान रहे कि मेले में प्रत्येक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान एक प्रतियोगी को ही मिले। यदि प्रथम स्थान पर दो प्रतियोगी आ जाते है, तो पुनः मूल्यांकन करा एक प्रतियोगी को विजेता घोषित करें। बने–बनाएँ प्रादर्शों के स्थान पर विद्यार्थियों द्वारा स्वयं बनाए गए प्रादर्शों को वरीयता दी जाए। निर्णायक एक दिन में ही मूल्यांकन कार्य सम्पन्न कर लें, ऐसी व्यवस्था की जाए।

22. **विशेष–जिला स्तरीय विज्ञान मेले की समाप्ति पर उसी दिन विज्ञान प्रादर्श प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त विद्यार्थी से राज्य स्तरीय विज्ञान मेले हेतु प्रपत्र 'स' एक प्रति में भरवाएँ। राज्य स्तर पर भाग लेने वाले विद्यार्थी अपने साथ एक पासपोर्ट साइज का फोटो राज्य स्तरीय विज्ञान मेला स्थल पर लेकर आवें।**

23. परिणाम पत्रक, मेला प्रतिवेदन तैयार कर प्रपत्र स पर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रतिहस्ताक्षर करा मेला समाप्ति के 7 दिन में परिषद् को भिजवाएँ। इसके लिए बार–बार स्मरण पत्र न देना पड़े, उसे सुनिश्चित कर लें। ऐसा नहीं होने पर निदेशालय को इसकी सूचना दी जाएगी।

24. संभागियों को यह भी निर्देशित करें कि वे राज्य स्तरीय मेले में प्रपत्र–स की प्रमाणित प्रतियाँ अपने साथ लेकर आए एवं पंजीयन के समय जमा कराए। इसके अभाव में पंजीयन नहीं किया जाएगा।

25. राज्य स्तर पर प्रादर्श का चयन होने पर 47 वां जवाहर लाल नेहरू राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी 2019–20 हेतु प्रपत्र 1 मय रेखाचित्र प्रादर्श फोटो पोस्टकार्ड साईज दो प्रतियों में तथा 5 मिनिट की एक सी.डी. मय वीडियो प्रदर्शन भी संलग्न करना है, जिनमें निम्नानुसार जानकारी होना आवश्यक है– प्रादर्श का शीर्षक, प्रादर्श की कार्यप्रणाली, प्रादर्श का क्षेत्र, वैज्ञानिक सिद्वान्त एवं अनुप्रयोग।

26. प्रादर्श व अन्य प्रतियोगिता सामग्री पर संभागी का नाम व विद्यालय का नाम नहीं लिखा हो इसे सुनिश्चित किया जाए। उस पर आवंटित कोड संख्या ही लिखी जाए।

27. विज्ञान मेला आकर्षक बने, आसपास के सभी विद्यालयों के विद्यार्थी एवं जनसमुदाय अधिक से अधिक मेले का अवलोकन करें, ऐसी व्यवस्था व प्रचार–प्रसार किया जाए। समाचार पत्रों में समाचार के माध्यम से अभिभावकों के नाम अपील जारी की जाए कि जिला स्तरीय विज्ञान मेले में आपका विद्यार्थी अपनी प्रतिभा को विकसित करने से वंचित न रह जाए।

28. इस वर्ष यह विज्ञान मेला एससीईआरटी उदयपुर, एनसीईआरटी, नई दिल्ली एवं समग्र शिक्षा अभियान,जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में एनसीईआरटी व समग्र शिक्षा अभियान के निर्देशानुसार आयोजित किया जायेगा।

29. समग्र शिक्षा अभियान द्वारा आवंटित बजट को कक्षा 6 से 12 तक के प्रतिभागी विद्यार्थियों पर व्यय किया जाए।

30. **दिव्यांगों संबंधी प्राप्त प्रादर्शो को प्रोत्साहित किया जाना है।** इस हेतु सभी उपरोक्त उपविषय के प्रादर्शो का एक समूह बनाकर उनका मूल्यांकन अलग किया जाकर उन्हें प्रोत्साहित/पुरस्कृत करे।

31. जिला स्तर पर **मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी** की अध्यक्षता में **पांच सदस्यीय निर्णायक समिति** का गठन किया जायेगा।

32. जिला स्तरीय विज्ञान मेला के आयोजन हेतु प्रति जिला 95000/रु की राशि का प्रावधान है जिसका व्यय **समसा** (समग्र शिक्षा अभियान) के वित्तीय प्रावधानों के अनुसार किया जायेगा।

33. विद्यार्थियों के साथ आने वाले शिक्षकों का अपना यात्रा व्यय राज्य सरकार के नियमानुसार स्वयं के विद्यालय से ही देय होगा।

Rajteachers.in

34. मेले से संबंधित विभिन्न प्रतियोगिताएँ एवं उनके निर्देश आगे दिए गए हैं।

गतिविधि–1 विज्ञान प्रादर्श प्रतियोगिता

मुख्य विषय – सतत विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी (Science and Technology for Substainable Development)

उपविषय	1	सतत कृषि पद्धतियां (Sustainable Agriculter Practices)
	2	स्वच्छता और स्वास्थ्य(Cleanliness and Health)
	3	संसाधन प्रबन्धन (Resource Management)
	4	औद्योगिक विकास (Industrial Development)
	5	भावी परिवहन एवं संचार (Future Transport and Communication)
	6	शैक्षिक खेल तथा गणितीय प्रतिरूपण (Educational Games and Mathematical Modelling)

उपर्युक्त सूचीबद्ध क्षेत्र सुझाव के लिए है विद्यार्थी "**सतत विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी**" में शामिल किसी अन्य क्षेत्र को चुनने और प्रादर्शो का विकास करने के लिए स्वतंत्र है। (Sub Themes listed above are suggestive. Students are free to choose any other sub themes & develop exhibits Innovation for sustainable development)

संभागी : कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थी (जूनियर वर्ग)
: कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थी (सीनियर वर्ग)

1. प्रादर्श प्रदर्शन प्रतियोगिता में कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थी **जूनियर वर्ग** में तथा कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थी **सीनियर वर्ग** में भाग ले सकेंगे।
2. प्रादर्श प्रदर्शन प्रतियोगिता में एनसीईआरटी द्वारा निर्धारित उपविषयों में से प्रत्येक उपविषय में एक–एक विद्यार्थी भाग ले सकेगा।
3. विद्यार्थी स्वयं प्रादर्श का निर्माण करें। **बने–बनाए प्रादर्श के उपयोग से सदैव बचा जाए।** प्रतियोगिता में विद्यार्थियों के स्वयं की सृजनशीलता, कल्पना, तकनीक कौशल, कर्म कौशल एवं शिल्प कौशल को वरीयता दी जाए।
4. प्रादर्श मितव्ययी (कम लागत के), सुवाह्य (पोर्टेबल) एवं टिकाऊ हो। ये अत्यन्त बड़े न हों कि इन्हें स्थानान्तरित करने में कठिनाई आए।
5. गत सत्रों के किसी भी प्रादर्श को दोहराया नहीं जाए तथा प्रादर्श इस सत्र के मुख्य विषय/उपविषय से संबंधित हो। प्रादर्श के मूल्यांकन हेतु तीन सदस्यीय दल का गठन किया जाए। एक ही दिन में तीनों निर्णायक पृथक–पृथक मूल्यांकन करें, जिसे समेकित कर परिणाम की घोषणा की जाए।
6. उपविषय के बारे में विस्तृत जानकारी एनसीईआरटी की वेबसाइट–www.ncert.nic.in से डाउन लोड की जा सकती है।

Rajteachers.in

अंक निर्धारण :

विद्यार्थी की सृजनात्मकता/ कल्पनाशीलता का समावेश	मौलिकता/ नवाचार	वैज्ञानिक सोच/ उपागम/ सिद्धान्त	तकनीकी कौशल कर्मकौशल/ शिल्प कौशल	सामान्यजनों एवं बालकों के लिए उपयोगिता/ शैक्षिक महत्त्व	मितव्ययी/ सुवाह्य/ टिकाऊपन	प्रस्तुतीकरण	योग
20 अंक	15 अंक	15 अंक	15 अंक	15 अंक	10 अंक	10 अंक	100 अंक

गतिविधि–2 सेमिनार

(अ) विद्यार्थी सेमीनार

संभागी : कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थी **समयावधि** : 6 मिनिट प्रति संभागी

विषय :– "तत्वों की आवर्त सारणी की विभिन्न क्षेत्रों में उपयोगिता **(Utility of Periodic Table of Elements in Various Fields)**

सेमिनार आयोजन के दिशा निर्देश–

1. विद्यालय स्तर पर आयोजित सेमिनार में विद्यालय के कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थी भाग ले सकेंगे।
2. विद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले संभागी जिला स्तर पर भाग ले सकेंगे।
3. इसमें संभागी अपने द्वारा किए गए कार्य एवं उसके प्रतिवेदन को सहायक सामग्री यथा चार्ट, पोस्टर, कम्प्यूटर/लेपटोप, मॉडल का प्रयोग कर दर्शको एवं निर्णायको के समक्ष प्रदर्शित करेगे।
4. दिए गए विषय पर अपने द्वारा किए गए कार्य का प्रतिवेदन निर्णायकों के समक्ष भी प्रस्तुत करना होगा। निर्णायकों द्वारा पूछे जाने वाले प्रश्नो का उत्तर देना होगा (अधिकतम दो प्रश्न)
5. प्रतियोगी संभागी को अपने प्रतिवेदन की प्रति तथा कुल 500 शब्दों में सारांश की प्रति प्रस्तुतीकरण के समय मूल्यांकन शीट के कॉलम संख्या–2 में अंक प्रदान करने के लिए प्रस्तुत करनी होगी।
6. प्रतिवेदन पर संभागी की पहचान संबंधित विवरण यथा– नाम, विद्यालय इत्यादि अंकित नहीं हो, यह सुनिश्चित किया जाए। प्रतिवेदन पर केवल कोड नं. ही अंकित होना चाहिए।
7. मूल्यांकन निम्नांकित प्रपत्र में तीन निर्णायकों द्वारा किया जाए। मूल्यांकन में **शोध/क्रियाकलाप** आधारित प्रायोजना को महत्त्व दिया जाए।

यदि संभागी शोध अध्ययन करता है तो उसे अपना शोध प्रतिवेदन निम्नांकित बिन्दुओं के आधार पर तैयार करना चाहिए तथा शोध में न्यूनतम 50 न्यादर्श लिए जाए–

1. शीर्षक 2. प्रस्तावना, आवश्यकता एवं महत्त्व 3. उद्देश्य 4. प्रक्रिया 5. दत्त संकलन 6. दत्त विश्लेषण 7. निष्कर्ष 8. अध्ययन के संबंध में आपके प्रयास एवं सुझाव 9. अनुवर्तन 10 आभार एवं धन्यवाद ज्ञापन 11 संदर्भ साहित्य

प्रतिवेदन एवं समग्र कार्य	शोध सारांश प्रस्तुतीकरण				
	विषय से संगतता, स्पष्टता एवं मौलिकता	सहायक सामग्री का यथोचित एवं प्रभावी उपयोग	तर्क संगतता	प्रश्नोत्तर	योग
50 अंक	15 अंक	15 अंक	10 अंक	10 अंक	100 अंक

Rajteachers.in

(ब) शिक्षक सेमीनार

संभागी :प्रारंभिक एवं माध्यमिक शिक्षा के शिक्षक **समयावधि** :8 मिनिट प्रति संभागी

विषय :– "आवर्त सारणी अध्यापन में नवाचार– एक अध्ययन"

सेमिनार **आयोजन के दिशा निर्देश–**

1. **विद्यालय** स्तर पर आयोजित सेमिनार में विद्यालय के शिक्षक भाग ले सकेंगे।
2. विद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले संभागी शिक्षक जिला स्तर पर भाग ले सकेंगे।
3. यह सेमिनार शोध आधारित रहेगी। मूल्यांकन में **शोध/क्रियाकलाप आधारित प्रायोजना** को महत्त्व दिया जाएगा।
4. इसमें संभागी दिए गए विषय पर किए गए शोध कार्य एवं उसके प्रतिवेदन को सहायक सामग्री यथा चार्ट, पोस्टर, कम्प्यूटर/लेपटोप, मॉडल का प्रयोग कर दर्शकों एवं निर्णायकों के समक्ष प्रदर्शित करेंगे।
5. संभागी को निर्णायकों द्वारा पूछे जाने वाले प्रश्नों का उत्तर देना होगा।
6. प्रतियोगी संभागी को अपने प्रतिवेदन की प्रति तथा कुल 500 शब्दों में सारांश की प्रति प्रस्तुतीकरण के समय मूल्यांकन शीट के कॉलम संख्या–2 में अंक प्रदान करने के लिए निर्णायकों को प्रस्तुत करनी होगी।
7. प्रतिवेदन पर संभागी की पहचान संबंधित विवरण यथा– नाम, विद्यालय इत्यादि अंकित नहीं हो, यह सुनिश्चित किया जाए। प्रतिवेदन पर केवल कोड नं. ही अंकित होना चाहिए।
8. मूल्यांकन निम्नांकित प्रपत्र में तीन निर्णायकों द्वारा किया जाए।

संभागी को अपना शोध प्रतिवेदन निम्नांकित बिन्दुओं के आधार पर तैयार करना चाहिए तथा शोध में न्यूनतम 50 न्यादर्श लिए जाए–

1. शीर्षक 2. प्रस्तावना, आवश्यकता एवं महत्त्व 3. उद्देश्य 4. प्रक्रिया 5. दत्त संकलन 6. दत्त विश्लेषण 7. निष्कर्ष 8. अध्ययन के संबंध में आपके प्रयास एवं सुझाव 9. अनुवर्तन 10 आभार एवं धन्यवाद ज्ञापन 11 संदर्भ साहित्य

प्रतिवेदन एवं समग्र कार्य	शोध सारांश प्रस्तुतीकरण				
	विषय से संगतता, स्पष्टता एवं मौलिकता	सहायक सामग्री का यथोचित एवं प्रभावी उपयोग	तर्क संगतता	प्रश्नोत्तर	योग
50 अंक	15 अंक	15 अंक	10 अंक	10 अंक	100 अंक

गतिविधि–3 विज्ञान एवं क्विज प्रतियोगिता निर्देश नियम :–

1. इस प्रतियोगिता में कक्षा 6 से 8 के विद्यार्थी ही भाग लेंगे। विद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाला एक विद्यार्थी जिला स्तर पर भाग ले सकेगा। राज्य स्तर पर प्रति जिला एक संभागी ही भाग लेगा।
2. प्रतियोगिता हिन्दी माध्यम में आयोजित की जाएगी। छात्र–छात्राओं के लिए सम्मिलित रूप से आयोजित की जाएगी।
3. इस प्रतियोगिता में क्विज नियंत्रक का निर्णय ही सर्वमान्य होगा।
4. यह प्रतियोगिता दो चरणों में आयोजित होगी।

Rajteachers.in

(अ) प्रथम चरण लिखित परीक्षा–

लिखित परीक्षा वस्तुतः प्रवेश चक्र (क्वालिफाइंग राउण्ड) है जिसका मुख्य उद्देश्य प्रतियोगी छात्र/छात्राओं की विषय आधारित जानकारी का परीक्षण कर उन्हे मौखिक परीक्षा के चरण में प्रवेश देना है।

प्रश्नों की संख्या–60, **पूर्णांक**–60 अंक, **प्रश्नों के प्रकार**–बहुचयनात्मक, **अवधि**–60 मिनट, **प्रतिविषय अंकभार**–10 अंक

विषय क्षेत्र :–

1. भौतिक 2. रसायन 3. जीव विज्ञान
4. गणित 5. पर्यावरण एवं स्वच्छ भारत 6. विज्ञान के विविध क्षेत्र

इन विषय क्षेत्रों में से प्रत्येक से 10–10 प्रश्न पूछे जाएंगे। जिला स्तर पर लिखित परीक्षा का आयोजन मेले के प्रथम दिवस में किया जाए यह परीक्षा व्यक्तिगत होगी। सभी विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त अंकों की वरीयता सूची बना ली जाए। वरीयता सूची में प्रथम 12 स्थान पर रहने वाले विद्यार्थियों के परिणाम की घोषणा प्रथम दिन ही करें। यदि लिखित परीक्षा के अंतिम 12 वें स्थान पर एक से अधिक विद्यार्थियों के समान अंक आए तो उन्हें 20 प्रश्नों का अतिरिक्त प्रश्न पत्र 15 मिनट में हल करने हेतु देकर उस स्थान हेतु एक संभागी का चयन करें। संभागी 12 से कम हो तो भी लिखित परीक्षा आयोजित कर ही समूह बनाएं।

(ब) द्वितीय चरण (मौखिक अभिव्यक्ति) – मौखिक अभिव्यक्ति हेतु तीन समूह निम्नानुसार बनाए जाने हैं–

समूह	मेरिट नम्बर			
प्रथम	1,	6,	7	12
द्वितीय	2,	5,	8	11
तृतीय	3,	4	9	10

प्रत्येक समूह के लिए द्वितीय चरण (मौखिक अभिव्यक्ति) के आगे दिए गए (चार चक्र–विशिष्ट, दीर्घ, दृश्य श्रव्य एवं त्वरित चक्र) आयोजित किए जाए। इसमें समूह में सर्वाधिक अंक प्राप्त प्रतियोगी को उस समूह का विजेता घोषित किया जाए एवं इस प्रकार तीनों समूह के विजेता के लिए चौथा व अंतिम चक्र (फाइनल राउण्ड) आयोजित करें। इस समूह में विद्यालय स्तर पर सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाला प्रतियोगी ही जिला स्तर पर भाग लेगा। राज्य स्तरीय विज्ञान मेले में जिला स्तर पर प्रथम रहे विद्यार्थी को भेजा जाए।

विज्ञान विषय के विशेषज्ञ वरिष्ठ प्राध्यापक/शिक्षक को क्विज नियंत्रक नियुक्त किया जाए एवं क्विज प्रतियोगिता में क्विज प्रतियोगिता के संचालन के लिए विज्ञान विषय के प्राध्यापक/शिक्षकों को क्विज मास्टर्स के रूप में नियुक्त किया जाए जो प्रतियोगियों से प्रश्न पूछेंगे। साथ ही दो शिक्षकों को टाइम कीपर तथा स्कोरर के रूप में नियुक्त किया जाए। **जिला स्तर पर क्विज नियंत्रक एवं क्विज मास्टर्स की नियुक्ति मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा की जाएगी जो RSCERT द्वारा प्रशिक्षित होने चाहिए।**

सामान्य निर्देश–

प्रश्न एक ही बार बोला जाएगा। सभी प्रतियोगी प्रश्न ध्यानपूर्वक सुनेंगे। प्रश्न की पुनरावृत्ति नहीं की जाएगी। प्रत्येक चक्र में उत्तर देने की अवधि निश्चित है। उत्तर देने की अवधि प्रश्न समाप्त होने के पश्चात् प्रारम्भ होगी।

Rajteachers.in

प्रथम चक्र (विशिष्ट चक्र) – प्रथम चक्र (विशिष्ट चक्र) का **विषय– डिजिटल आदान– प्रदान** रखा गया है।

प्रश्नों की संख्या–2 प्रति संभागी (एक सामान्य तथा दूसरा दृश्य श्रव्य विधा पर आधारित)

प्रति प्रश्न अंक भार–10 अंक उत्तर देने की अवधि– 10 सैकण्ड प्रति प्रश्न

क्विज मास्टर्स द्वारा दो प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमें एक प्रश्न दृश्य–श्रव्य विधा पर आधारित होगा।

प्रस्तुतीकरण विधा–(दृश्य श्रव्य प्रश्न हेतु)–प्रयोग प्रदर्शन, पारदर्शी, लघुनाटक, वीडियो एवं ऑडियो रिकार्डिंग।

- **द्वितीय चक्र–दीर्घ चक्र (पास राउण्ड)**

इस चक्र में प्रश्नों के वाक्यांश दीर्घ होते हैं। साथ ही उत्तर देने की अवधि भी दीर्घ होती है। अतः इसे **दीर्घ चक्र** कहा जाता है। एक संभागी द्वारा प्रश्नों का उत्तर नहीं देने पर प्रश्न अगले संभागी को पास किया जाता है, इस कारण इसे **पास राउण्ड** भी कहते हैं।

- ➢ प्रति संभागी प्रश्नों की संख्या – 5 (प्रत्येक विषय से एक–एक)
- ➢ प्रति प्रश्न अंक भार – 10 अंक
- ➢ उत्तर देने की अवधि – 20 सैकण्ड प्रति प्रश्न
- ➢ प्रश्न को एक प्रतियोगी द्वारा पास किए जाने पर दूसरे प्रतियोगी को उत्तर देने के लिए दिया जाने वाला समय – 5 सैकण्ड
- ➢ प्रश्न को एक प्रतियोगी द्वारा पास किए जाने पर दूसरे प्रतियोगी द्वारा सही उत्तर दिए जाने पर बोनस अंक भार – 5 अंक प्रति प्रश्न

विषय क्षेत्र

❖भौतिक ❖रसायन ❖जीव विज्ञान ❖गणित विज्ञान के विभिन्न क्षेत्र

- ➢ दीर्घ चक्र पास चक्र है। संभागी–A द्वारा उत्तर न दिए जाने अथवा गलत उत्तर दिए जाने की स्थिति में 20 सैकण्ड का समय समाप्त होने के पश्चात् प्रश्न उत्तरोत्तर संभागी B,C,D को पास किया जाएगा। इसके लिए प्रति संभागी को उत्तर देने हेतु 5 सैकण्ड का समय दिया जाएगा।
- ➢ दूसरा प्रश्न संभागी B से प्रारम्भ होकर उपर्युक्त प्रक्रियानुसार संभागी A तक पहुँचेगा। इसकी प्रकार शेष प्रश्न अगले क्रम से प्रारम्भ होंगे। प्रश्न अगले संभागी के पास होने की स्थिति में उत्तर देने वाले को बोनस 5 अंक दिए जाएंगे।
- ➢ इस चक्र में प्रत्येक प्रतियोगी से पाँचों क्षेत्रों से एक–एक प्रश्न पूछा जाएगा।
- ➢ इसमें अवबोध योग्यता प्रदर्शित करने वाले एवं अनुप्रयोग आधारित (Application based) प्रश्न भी पूछे जाएंगे।

- **तृतीय चक्र–दृश्य श्रव्य चक्र**

इसमें दृश्य–श्रव्य सामग्री का प्रदर्शन करके प्रश्न पूछा जाता है तथा जो संभागी पहले घण्टी/बजर बजाएगा उसे उत्तर देने का अवसर दिया जाता है अतः इस चक्र को **दृश्य श्रव्य चक्र या बजर राउण्ड** कहा जाता है।

❖ प्रश्नों की संख्या – 5 (सभी के लिए उभयनिष्ठ) ❖ **प्रति प्रश्न अंक भार** – 15 अंक

❖ ऋणात्मक अंक – 5 अंक प्रति गलत उत्तर पर ❖ **उत्तर देने की अवधि** – 10 सैकण्ड

क्षेत्रः–इस चक्र में निम्नांकित क्षेत्रों में से एक प्रश्न पूछा जाएगा जो सभी टीम के लिए उभयनिष्ठ होगा।

❖भौतिक ❖रसायन ❖जीव विज्ञान ❖गणित ❖विज्ञान के विविध क्षेत्र

Rajteachers.in

- इस चक्र में सभी चारों संभागियों के समक्ष 1–1 घण्टी (बजर) रखी जाए। टीम के समक्ष श्रव्य–दृश्य सामग्री यथा–प्रयोग, चार्ट, मॉडल, चित्र, यंत्र, उपकरण, स्लाइड, ओवर हेड प्रोजेक्टर आदि से प्रदर्शन किया जाए। प्रदर्शन के बाद सामग्री हटा ली जाए तथा प्रदर्शित सामग्री पर आधारित प्रश्न पूछा जाए।
- जो संभागी पहले घंटी बजाए उसे उत्तर देने का अवसर प्रदान किया जाए। क्विज नियंत्रक संभागी द्वारा घंटी बजाने की प्रक्रिया का ध्यानपूर्वक अवलोकन कर यह निर्धारण करें कि किस संभागी ने सर्वप्रथम घंटी बजाई है। यदि दस सैकण्ड की अवधि में कोई संभागी घंटी नहीं बजाए तो दूसरा प्रदर्शन करके दूसरा प्रश्न पूछा जाए।
- यदि पहले घंटी बजाने वाला गलत उत्तर देता है तो उसके पूर्व अर्जित अंकों में से 5 अंक काट लिए जाए। इस स्थिति में दूसरे प्रतियोगी को उत्तर देने का अवसर नहीं दिया जाए।

- **चतुर्थ चक्र–त्वरित चक्र**

इस चक्र में संभागियों से एक मिनट में 12 प्रश्न त्वरित गति से पूछे जाते हैं। अतः इसे **त्वरित चक्र** कहते हैं।

- **प्रश्नों की संख्या** – 12
- **प्रति प्रश्न अंक भार** – 5 अंक
- **कुल अंक** – 60 अंक
- **समय** – 1मिनिट

इस चक्र में जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, तथा विज्ञान के विविध क्षेत्र में से तीन –तीन प्रश्न पूछे जाएंगे। त्वरित चक्र में क्विज मास्टर शीघ्रता पूर्वक प्रश्न पूछेगा ताकि 1 मिनट में 12 प्रश्न पूछे जा सके। प्रतियोगी को शीघ्रता से उत्तर देना होता हैं अतः प्रतियोगी को हिदायत दी जाए कि जिस प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहता है तो क्विज मास्टर को वह पास कह दे। यदि कोई विद्यार्थी उत्तर देने में समय नष्ट करता है तो उसके हिस्से में कम प्रश्न आएँगे।

यदि मौखिक क्विज के अंतिम चक्र के पश्चात् प्रथम स्थान पर किन्ही दो या अधिक प्रतियोगियों के कुल अंक समान हो तो उनके लिए पुनः त्वरित चक्र तब तक आयोजित किया जाए जब तक कि एक प्रतियोगी विजेता नहीं बनें।

----------XXXXXXXXXXX----------

Rajteachers.in

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर

(पाठ्यक्रम परिचर्या, सामग्री निर्माण एवं मूल्यांकन प्रभाग)

फोन—0294—2415171, 2418319 *ई—मेल* director.siert @ rajasthan. gov.in & hod.dsm.siert@rajasthan. gov.in

क्रमांकः राराशैअप्रप—उदय / प्र—1 / फा—1315 / 19 दिनांक 20.09.2019

मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं
पदेन जिला परियोजना समन्वयक,
समग्र शिक्षा अभियान समस्त जिले।

विषय :— विज्ञान मेला 2019—20 हेतु आयोजक राजकीय विद्यालय की सूचना भिजवाने के क्रम में।

उपर्युक्त विषयान्तर्गत लेख है कि परिषद् द्वारा विज्ञान मेला 2019—20 दिनांक 09 से 11 अक्टुबर 2019 तक आपके जिले में आयोजित किया जाना है। इस हेतु आपके जिले से एक राजकीय उमावि / बाउमावि का चयन कर निम्नांकित प्रारूप में सूचना email IDपर शीघ्र भिजवावे ताकि राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्, समग्र शिक्षा जयपुर द्वारा सम्बंधित राजकीय विद्यालय को राशि भिजवाई जा सके।

आपको यह भी निर्देशित किया जाता है कि जिला स्तरीय आयोजित विद्यालय कीEmail Id भिजवाना सुनिश्चित करे जिससे प्रतियोगिता से संबंधित समस्त पत्रावली सीधे ही आयोजित विद्यालय को भी भिजवाई जा सके।

जिला स्तरीय प्रतियोगिता आयोजक विद्यालय का नाम व पता	संस्था प्रधान का			SBI बैंक का विवरण (विद्यालय)			
	नाम	मोबाईल नम्बर	ई मेल आईडी	खाता धारक का नाम	खाता संख्या	बैंक ब्रान्च	IFSC Code

नोटः— SBI खाते का ही विवरण भिजावे।

इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देवें।

(अंजली राजोरिया)
आई.ए.एस.
निदेशक, राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान
एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर

क्रमांकः राराशैअप्रप—उदय / प्र—1 / फा—1315 / 19 दिनांक 20.09.2019

प्रतिलिपिः— सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु

1. राज्य परियोजना निदेशक, स्कूल शिक्षा परिषद्, जयपुर।
2. निदेशक, माध्यमिक / प्रारंभिक शिक्षा, राजस्थान, बीकानेर।
3. संयुक्त निदेशक, स्कूल शिक्षा समस्त संभाग।
4. जिला शिक्षा अधिकारी (मु.) माध्य. / प्रार. समस्त जिले।

निदेशक
राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान
एवं प्रशिक्षण परिषद् उदयपुर

Rajteachers.in

विद्यालय / जिला स्तरीय विज्ञान मेला 2019–20

प्रतिवेदन

दिनांक .....से दिनांक .....तक

जिला.....

आयोजन स्थल का नाम .....

मेला संयोजक संस्था प्रधान का नाम–

फोन नं. एवं मोबाइल नं–

1. प्रस्तावना
2. उद्घाटन समारोह(विवरण दें)
3. संभागियों का विवरण

(क) प्रादर्श प्रदर्शन प्रतियोगिता–

क्र.सं.	उपविषय	संभागी		
		छात्र	छात्रा	योग

(ख) अन्य प्रतियोगिताएँ–

क्र.सं.	नाम प्रतियोगिता	संभागी		
		छात्र	छात्रा	योग

(ग) कुल संभागी –छात्र ————————छात्रा ———————— योग ————————

(घ) **जिला स्तर पर प्रत्येक प्रतियोगिता में भाग लेने विद्यालयों का विवरण–**

क्र.सं.	प्रतियोगिता का नाम	राजकीय विद्यालय	निजी विद्यालय	कुल संख्या

4. प्रत्येक गतिविधि का विवरण– (दिनांक सहित देवें)
5. निर्णायकों की सूची

नाम प्रतियोगिता	नाम निर्णायक	पद	पदस्थापन स्थान	शैक्षिक योग्यता	मोबाइल नं.

6. लाभान्वित दर्शकों की संख्या–

विद्यार्थी	शिक्षक	अभिभावक एवं अन्य	योग

7. समापन समारोह– (विवरण दें)

(हस्ताक्षर)
मेला संयोजक / प्रधानाचार्य
जिला स्तरीय विज्ञान मेला

(हस्ताक्षर)
मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी
जिला..... मोहर सहित

(**नोट**– उक्त प्रतिवेदन के साथ प्रादर्श एवं प्रतियोगिताओं में जिला स्तर पर प्रथम स्थान पर रहे संभागियों की सूची निम्नांकित प्रारूप में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए निदेशकRSCERT, उदयपुर एवं राज्य परियोजना निदेशक, राज.स्कूल शिक्षा परिषद्, जयपुर को प्रेषित करें।)

क्र.सं.	नाम	प्रतियोगिता एवं प्रादर्श	प्रथम स्थान प्राप्त छात्र / छात्रा का नाम	पिता का नाम	लिंग	कक्षा	विद्यालय	मार्गदर्शक शिक्षक	प्रादर्श का शीर्षक

Rajteachers.in

पंजीयन पत्र–'स'
राज्य स्तरीय विज्ञान मेला 2019–20

(प्रादर्श एवं अन्य सभी प्रकार की प्रतियोगिताओं के लिए)
(जिला स्तरीय विज्ञान मेले में प्रथम स्थान प्राप्त प्रत्येक विद्यार्थी द्वारा भरा जाए)

संभागी का आवक्ष फोटो प्रति हस्ताक्षर मेला संयोजक

- जिला स्तरीय विज्ञान मेला आयोजन स्थल————————————————————
- आयोजन दिनांक :————————————
- प्रतियोगिता उपविषय का नाम :————————
- प्रादर्श (मॉडल) का नाम/प्रतियोगिता का विषय————————
- संभागी छात्र/छात्रा का नाम————————

Sex	Male	Female

श्रेणी	SC	ST	OBC	Gen

(जो उपयुक्त हो उस पर ✓ अंकित करें)

- पिता का नाम————————————————————
- फोन नंबर एवं मो. न. –घर– विद्यालय–
- कक्षा/पद————————————————जन्म तिथि————————
- अध्ययनरत् विद्यालय का नाम————————————————
- विद्यालय का प्रकार (जो उपयुक्त हो उस पर ✓ अंकित करें)

(राजकीय/स्थानीय निकाय/सहायता प्राप्त/बिना सहायता प्राप्त निजी संस्था/अन्य.....

शहरी /ग्रामीण (✓ अंकित करें)

मार्गदर्शक शिक्षक का नाम मय पद ————————————————

हस्ताक्षर मार्गदर्शक शिक्षक
हस्ताक्षर
जिला मेला आयोजक प्रधानाचार्य मय सील

संभागी विद्यार्थी
प्रतिहस्ताक्षर
मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी

Rajteachers.in

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर

(पाठ्यक्रम परिचर्या, सामग्री निर्माण एवं मूल्यांकन प्रभाग)

फोन–0294–2415171, 2418319 ई–मेल director.siert @ rajasthan. gov.in & hod.dsm.siert@rajasthan. gov.in

क्रमांकः राराशैअप्रप–उदय / प्र–1 / फा–1315 / 19 दिनांक 20.09.2019

प्रधानाचार्य
राउमावि / राबाउमावि .....
जिला .....

विषय :– जिला स्तरीय विज्ञान मेला 2019–20 के संबंध में।

उपर्युक्त विषयान्तर्गत लेख है कि जिला स्तरीय विज्ञान मेला–2019–20 का आयोजन आपके विद्यालय में किया जा रहा है। इस कार्यक्रम हेतु आयोजित विद्यालय को राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्, जयपुर से विज्ञान मेले हेतु आवंटित राशि रू. 95000 रू. (अक्षरे पिचानवे हजार रूपये मात्र) भिजवाए जाऐगे। उक्त राशि आपके खाता संख्या में स्थानान्तरित की जावेगी अथवा बैंक ड्राफ्ट / चेक / ऑनलाईन द्वारा भिजवाया जाएगी। जिसका बजट पेटर्न निम्न है –

जिला स्तरीय विज्ञान मेले हेतु बजट –

क्र.सं.	मद (कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों हेतु)	राशि
1	पुरस्कार अ. मॉड्ल / प्रादर्श (सीनियर व जूनियर) प्रथम $-2 \times 7 \times 1000 = 14000/-$ द्वितीय $-2 \times 7 \times 800 = 11200/-$ तृतीय $-2 \times 7 \times 500 = 7000/-$ ब. विज्ञान सेमिनार प्रथम $-1 \times 1000 = 1000/-$ द्वितीय $-1 \times 800 = 800/-$ तृतीय $-1 \times 500 = 500/-$ स. क्विज प्रतियोगिता प्रथम $-1 \times 1000 = 1000/-$ द्वितीय $-1 \times 800 = 800/-$ तृतीय $-1 \times 500 = 500/-$	36800 / –
2.	टेन्ट / कुर्सी / टेबल / मंच व्यवस्था माईक व्यवस्था आदि	12000 / –
3	कन्टीजेन्सी / प्रचार–प्रसार / आकस्मिक व्यय	6000 / –
4	जलपान एवं भोजन व्यवस्था	30000 / –
5	प्रमाण–पत्र / स्मृति चिन्ह	3200 / –
6	वीडियोंग्राफी / फोटोग्राफी / अभिलेख संधारण	2000 / –
7	राज्य स्तरीय विज्ञान मेले के संयोजक विद्यालय को सहयोग राशि (राज्य स्तरीय संयोजक विद्यालय इस राशि की रसीद संबंधित विद्यालय को देवे)	5000 / –
	योग	95000 / –

Rajteachers.in

कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी एवं विषय संबंधी पत्र जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक (नोडल) द्वारा प्राप्त हो गया होगा या प्राप्त करले। कार्यक्रम आयोजन से पूर्व प्रचार–प्रसार हेतु क्षेत्रीय पत्र–पत्रिकाओं में आवश्यक रूप से देवें, जिससे अधिक विद्यालय भाग ले सकें।

आपसे अनुरोध है कि कार्यक्रम की समाप्ति के सात दिवस में व्यय, विवरण, उपयोगिता प्रमाण–पत्र एवं प्रतिवेदन प्रपत्र भरकर परिषद् को अनिवार्य रूप से भिजवाएँ। बजट पेटर्न के मदानुसार ही व्यय किया जावे एवं किसी मद में बची हुई राशि लौटाई जावे। बजट पेटर्न की सीमा से यदि किसी मद में व्यय का आधिक्य हो तो पुनर्भरण की जिम्मेदारी आपकी स्वयं की होगी। मूल बाउचर्स आपके विद्यालय में संधारित किये जाऐंगे। यदि राशि शेष हो तो ड्राफ्ट बनाकर भिजवावे।

संलग्नः– व्यय विवरण एवं उपयोगिता प्रारूप

(अंजली राजोरिया)
आई.ए.एस.
निदेशक, राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान
एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर

क्रमांकः राराशैअप्रप–उदय/प्र–1/फा–1315/19
दिनांक 20.09.2019

प्रतिलिपिः– सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु

1. राज्य परियोजना निदेशक रास्कूशिप, जयपुर।
2. निदेशक, माध्यमिक एवं प्रारम्भिक शिक्षा, राजस्थान, बीकानेर
3. संयुक्त निदेशक, स्कूल शिक्षा, समस्त संभाग।
4. मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी समस्त जिले को भेजकर लेख है कि उक्त कार्यक्रम हेतु विद्यालय को आवश्यक निर्देश प्रदान करावें।

निदेशक
राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान
एवं प्रशिक्षण, परिषद्, उदयपुर

Rajteachers.in

कार्यालय .....

क्रमांकः– दिनांक

जिला स्तरीय विज्ञान मेला 2019–20
उपयोगिता प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि राज्य परियोजना निदेशक, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्, जयपुर द्वारा एसबीआई आनॅलाईन या नेफ्ट/चेक द्वारा विद्यालय के खाता सख्या .... दिनांक ..... में जिला स्तरीय विज्ञान मेला 2019–20 हेतु प्राप्त राशि रू. क्रमशः 95000/–रू. (अक्षरे पिचानवे हजार रूपये मात्र) का रोकड पुस्तिका के पृष्ठ संख्या ..... पर इन्द्राज कर लिया गया है। जिसका बजट पैटर्न नियमानुसार जिले के विद्यालयों के कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए जिला स्तरीय विज्ञान मेला हेतु उपयोग में लिया गया है। विवरण एवं बचत राशि ..... अक्षरे .... का ऑनलाईन/बैंक ड्राफ्ट/चेक क्रमांक ....दिनांक ..... बैंक का नाम ..... राज्य परियोजना निदेशक, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्, जयपुर के खाते (जिस खाते से राशि प्राप्त हुई है) में जमा करा दी गयी है। उपयोगिता प्रमाण पत्र एवं व्यय विवरण की एक प्रति निदेशक RSCERT उदयपुर को प्रेषित की जा रही है। **मूल वाउचर्स** कार्यालय अभिलेख में सुरक्षित रख लिए गए हैं।

हस्ताक्षर

प्रधानाचार्य/ जिला स्तरीय विज्ञान मेला आयोजक

मय सील

Rajteachers.in

व्यय विवरण प्रारूप

1. कार्यालय/विद्यालय का नाम ——————————————
2. जिला ——————————————
3. कार्यक्रम का नाम ——————————————
4. दिनांक ——————————————

आवंटित राशि–

रोकड़ पुस्तिका में प्राप्ति दिनांक ——————————————

रोकड़ पुस्तिका में पृष्ठ संख्या ——————————————

व्यय विवरण (अ)

क्रंसं.	बिल का दिनांक व क्रमांक	फर्म का नाम	बिल की राशि	रोकड़ पुस्तिका पृष्ठ संख्या व दिनांक

व्यय विवरण (ब)

क्रंसं.	मद	मदानुसार आंवटित राशि	व्यय राशि	शेष राशि

कुल प्राप्त राशि ——————————

व्यय राशि ——————————

शेष राशि ——————————

हस्ताक्षर

प्रधानाचार्य/ जिला स्तरीय विज्ञान मेला आयोजक

मय सील

Rajteachers.in